

ग्रसाधार ग्

EXTRAORDINARY

भाग II--- ब्र**ण्ड 3----उपखण्ड** (ii)

PART II-Section 3-Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 343]

नई दिल्लो, सुधवार, प्रक्तुबर 3, 1973/म्रादियन 11, 1895

No. 343]

NEW DELHI, WEDNESDAY, OCTOBER 3, 1973/ASVINA 11, 1895

इस भाग में भिन्न पुष्ठ संस्था दो जारी है जिसस कि यह ब्रलन संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation.

MINISTRY OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT

ORDER

New Delhi, the 3rd October 1973

S.O. 539(E)/IDRA/73.—In exercise of the powers conferred by sub-section section 18A of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), the Central Government hereby makes the following amendment in the Order of the Government of India in the Ministry of Industrial Development No. S.O. 725(E)/18A/IDRA/72, dated the 25th November, 1972, namely:—

In the said Order, under the heading "Members", for serial number 2, the following serial number shall be substituted, namely:—

"2. Shri G. C. Mukherjec, Managing Director, Sen and Pandit Industries Limited, P.O. Kalyani, District Nadia (West Bengal)."

[No. 25(26)/72-CUC.]

D. K. SAXENA, Jt. Secy.

श्रीद्योगिक विकास मंत्रालय

ग्रावेश

नई दिल्ली, 3 ग्रन्त्वर, 1973

का० गा० 539 (ग) गाँड के० गाँ० ए०/73. —उद्योग (विकास ग्रौर विनियमन) ग्रिधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 18 क की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त मिक्तयों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, भारत सरकार के ग्रौद्योगिक विकास मंत्रालय के ग्रादेश सं० का० ग्रा० 725 (ई)/18क/ग्राई० डी० ग्रार० ए० /72, तारीख 25 नवम्बर, 1972 में निम्नलिखित संगोधन करती है, श्रर्थात् :—

उक्त म्रादेश में, "सदस्य" शोर्षक के म्रन्तर्गत, क्रम सं० 2 के स्थान पर निम्नलिखित कम संख्या रखी जाएगी, म्रर्थात् :---

> "2. श्री जी० सी० मुखर्जी, प्रबन्ध निदेशक, सेन एण्ड पण्डित इण्डस्ट्रीन लिमिटेड, डा० घ० कल्याणी, जिला नाडिया (पश्चिमी बगाल)।"

> > [सं० 25 (26)/72 सी यू सी] दिनेश किश)र सक्सेना, संयुक्त सचिव।